लमगड़ा के वक्सावाड़ गांव में साहित्यिक गतिविधि

- ग्राम लोक कार्यक्रम संपन्न
- हिन्दी के रचनाकार शामिल

आज समाचार सेवा

अल्मोड़ा। लगगड़ा ब्लाक के बकस्वाड़ गांव में हिन्दी साहित्यिक पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। साहित्य अकादमी के ग्रामलोक कार्यक्रम के तहत हुए आयोजन में जिला मुख्यालय से आए साहित्यकारों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के संयोजक साहित्य अकादमी के परामर्श मंडल के सदस्य हिन्दी व कुमाउनी के जानेमाने सहित्यका प्रो देव सिंह पोखरिया ने कार्यक्रम की रूपरेखा रखी। उन्होंने बताया कि साहित्य अकादमी केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन स्वायत संस्था है। संस्था गांव स्तर पर साहित्यिक गतिविधि को बढ़ावा देने के लिए ग्राम लोक जैसे कार्यक्रम आयोजित करवा रही है। क्षेत्र में यह पहला आयोजन है। इससे स्थानीय जनता में साहित्यिक के प्रति रुचि बढ़ेगी व प्रतिभाओं को आगे आने का मौका मिलेगा। कई गांवों के मध्य में स्थित वकस्वाड़ गांव सही मायने में यह ग्रामालोक है। प्रो पोखरिया ने बताया कि साहित्य अकादमी भारत की दो दर्जन भाषाओं की साहित्यिक क्रिया-कलापों का पोषण करती है।

अतिथियों के स्वागत के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ। मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख लमगड़ा विक्रम सिंह बगडवाल रहे। उन्होंने कहा कि संचार के दौर में इस प्रकार की गतिविधियां युवाओं एक नया रास्ता दिखाएगी। वहीं लोगों का नवीनतम साहित्य से परिचय होगा। कार्यक्रम में साहित्यकार त्रिभुवन गिरी महाराज डा हयात सिहं रावत साहित्यकार रंगकर्मी व वरिष्ठ पत्रकार नवीन बिष्ट विपिन जोशी कोमल शंकर जोशी के साथ ही एसएसजे विवि के डा ललित चंद्र जोशी ने हिन्दी रचनाओं का पाठ किया।

अध्यक्षता त्रिभुवन गिरि महाराज ने की। संचालन विपिन जोशी ने किया। जबकि आयोजक प्रो पोखरिया ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर पूरन भंडारी सहित स्थानीय जागरूक लोग मौजूद रहे।